KOLHAN UNIVERSITY, CHAIBASA
JHARKHAND

As per regulations of NEP 2020 in the state of Jharkhand, the revised four year undergraduate programme (FYUGP) course syllabus and credit frame work in the subject of Sanskrit.

UNIVERSITY DEPARTMENT OF SANSKRIT
Kolhan University, Chaibasa – 833202
Jharkhand

University Department of Sanskrit, Kolhan University, Chaibasa

Course of Study for four year undergraduate programme (FYUGP) under state university of Jharkhand.

As per regulations of NEP 2020 in the State of Jharkhand, the revised four year undergraduate programme (FYUGP) course syllabus and credit frame work in Sanskrit been prepared the following members of Board of studies (BOS) of University Department of Sanskrit, held on 05-04-2023

1. **Dr. Archana Sinha**
   Head, University Department of Sanskrit
   Kolhan University, Chaibasa

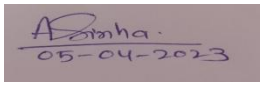

Chairman

2. **Prof (Dr.) Archana Kumari Dubey**
   Head, University Department of Sanskrit
   Ranchi University, Ranchi

Subject Expet

3. **Dr. Niwaran Mahatha**
   Prof. In-Charge
   Degree College, Manoharpur

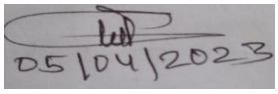

Member

4. **Dr. Ladli Kumari**
   Head, Deptt of Sanskrit
   Jamshedpur Worker's College, Jamshedpur

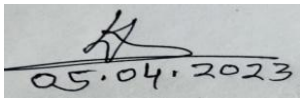

Member

5. **Dr.Sunil Murmu**
   Head, Deptt of Sanskrit
   S.B.College, Chandil

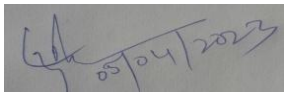

Member Secretary

6. **Smt. Dangi Soren**

   Assistant Professor.
   P.G. Department of Sanskrit
   Kolhan University, Chaibasa.

Member

नई शिक्षा नीति 2020 पर आधारित संशोधित चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम
शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 से

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड
विषय –संस्कृत

Credit:4	**Year-1st** **वर्ष–प्रथम**	**Semester-I** **समसत्र–प्रथम**
Full. Marks : 75+25=100	**Paper- Minor Paper-01, Code- MN-1A** **Passing Marks: 40**	

संस्कृत पद्य साहित्य

Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँः–

- **विद्यार्थी संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्यबोध कर सकेंगे।**
- **उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छन्द एवं अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।**
- **पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।**

Unit इकाई	Topics पाठ्य–विषय	No of Lectures व्याख्यान–संख्या
इकाई–1	**शिशुपालवधम्** (प्रथम सर्ग) 01–30 श्लोक पर्यन्त अनुवाद, एवं हिन्दी व्याख्या	**15**
इकाई–2	**मेघदूतम्** (पूर्वमेघ) अनुवाद एवं हिन्दी व्याख्या	**15**
इकाई–3	**किरातानुर्जनीयम्** (प्रथम सर्ग) अनुवाद, हिन्दी व्याख्या	**15**
इकाई–4	**उक्त पाठ्यक्रमों से संबंधित** समीक्षात्मक प्रश्न	**15**

सामान्य अनुदेश			
समय – 3 घंटे	**पूर्णांक – 75**		**अंक विभाजन**
अंतिम समसत्र परीक्षा **पूर्णांक 75**	**A**	**(i) बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर**	**5x1=05**
		(ii) लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर **(iii) लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर**	**5x1=05** **5x1=05**
	B	**(iv) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर**	**15x4=60**
मध्यावधि आंतरिक परीक्षा **पूर्णांक 25**		**लिखित परीक्षा**	**5x1=05** **1x5=05**
		अधिन्यास (असाइन्मेन्ट)	**1x10=10**
		उपस्थिति	**05**
			75+25=100

संस्तुत ग्रन्थः–

- शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग), व्याख्याकार – आचार्य कृष्णकुमार अवस्थी, सम्पादक–तारिणीश झा, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
- मेघदूतम्, डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- मेघदूतम्, आचार्य श्री शेषराज शर्मा 'रेग्मी' चौखम्बा विधाभवन, वाराणसी।
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ. राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन दिल्ली।

नई शिक्षा नीति 2020 पर आधारित संशोधित चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम
शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 से

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड
विषय –संस्कृत

Credit:4 Full. Marks : 75+25=100	Paper- Major Paper-01, Code- MJ-01 Passing Marks: 40	
Unit इकाई	**Topics** पाठ्य–विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान–संख्या

संस्कृत नीति साहित्य

Course outcomes: अधिगम उपलब्धियाँः–

- नीति साहित्य में प्रयुक्त सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ–साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।
- नीतिगत कथाओं के अध्ययन से संस्कारित होकर परिवार, समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में योगदान दे सकेंगे एवं कर्त्तव्यनिष्ठ नागरिक की भमिका निभा सकेंगे।

इकाई - 1	नीतिकथा का उद्भव, विकास, उद्देश्य एवं महत्त्व	07
इकाई -2	नीतिशतकम् (श्लोक 01 से 20 पर्यन्तम्) अनुवाद, हिन्दी व्याख्या एवं मूल्यपरक प्रश्न	20
इकाई - 3	हितोपदेश (मित्रलाभ) अनुवाद एवं मूल्यपरक प्रश्न	18
इकाई -4	पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) अनुवाद एवं मूल्यपरक प्रश्न	15

सामान्य अनुदेश			
समय – 3 घंटे	पूर्णांक – 75		अंक विभाजन
अंतिम समसत्र परीक्षा पूर्णांक 75	**A**	(i) बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर	**5x1=05**
		(ii) लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर	**5x1=05**
		(iii) लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर	**5x1=05**
	B	(iv) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर	**15x4=60**
मध्यावधि आंतरिक परीक्षा पूर्णांक 25		लिखित परीक्षा	**5x1=05** **1x5=05**
		अधिन्यास (असाइन्मेन्ट)	**1x10=10**
		उपस्थिति	**05**
			75+25=100

संस्तुत ग्रन्थ–

- नीतिशतकम्, भर्तृहरि (व्याख्या) सावित्री गुप्ता,
- नीतिशतकम् – गोस्वामी प्रह्लाद गिरि, भारतीय प्रकाशन, वाराणसी।
- विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली 2008
- नीतिशतकम् भर्तृहरि (व्याख्या) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन दिल्ली 2003।
- हितोपदेश, विश्वनाथ शर्मा
- पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्), डॉ. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
- पंचतंत्रम् (अपरीक्षितकारकम्) डॉ. गंगासागर राय
- पंचतंत्रम्, श्री श्यामचरण पाण्डेय
- पंचतंत्रम्, विष्णुशर्मा कृत कंजीवलोचन, चौखम्बा संस्कृत साहित्य